दाम जो 22 सौ बढ़ाया गया था वह इसलिए बढ़ाया गया था क्यों कि क्रुड आयल का दाम इतना ज्यादा बढ़ गया था अक्तूबर मे कि वह हमारी शक्ति के बाहर हो गया। इसलिए हम ने दाम बढ़ा कर जो कर्जा हमारे ऊपर क्रुड आयल का हो गया था उस कर्जे को अदा करने की कोशिश की। उस कर्जे को अदा करने के लिए दाम बढ़ाया था। श्री मधु लिमये जी को मालूम होना चाहिए कि जब यह हमें मालूम हुआ कि 22 सौ रुपये प्रति टन की वजह से जो पैट्रो केमिकल इंडस्ट्रीज का फर्टिलाइजर्स, इन्सेक्टिसाइड्स और दवाओं में इस्तेमाल होता है उस के दाम बहुत ज्यादा हो जाते है तो फिर सरकार ने उस का दाम कम किया। यही कारण कम करने का था। दूसरे जो शक करते है उस का जवाब हमारे पहले मंत्री दे चुके है और कह चुके है कि एक हजार रुपये का दाम इसलिए घटाया गया था कि हम तामाम उन लोगो को नाफ्था दे सके जो पट्रो-केमिकल इंडस्ट्री चलाते है।

श्री मधु लिमये : अध्यक्ष महोदय, आप इन के स्पष्टीकरण से संतुष्ट है ? मैं ने पूछा था, इस पन्द्रह रुपया प्रति टन का अगर फर्क होता तो मैं समझ सकता था। लेकिन हजार हजार रुपये का जो फर्क है उस के पीछे रहस्य और राज क्या है ?

SHRI MOHANRAJ KALINGARAYAR: Sir, naphtha is one of the very important components for manufacturing fertilisers. Also it is a very important part for manufacture of plastic products. The two monopoly concerns are supplying the granules to most of the factories—small-scale and large-scale industries—in this country.

The price has recently been raised to a very high rate. They say it is due to non-availability of Naphtha. In this respect, what is the rationale of the policy of exporting it when they cannot meet the local demand?

SHRI K. D. MALAVIYA: So far as the local demand of the petro-chemical and plastic industries is concerned all the producers will get Naphtha at a very reasonable rate because we have got Naphtha. It cannot be below the cost of production of Naphtha. But there will be no difficulty in the availability of Naphtha to indigenous producers of the petro-chemical industries and they will be satisfied with the price that will be charged.

Import, Consumption and Supply of Petrol, Kerosene Oil and Diesel

+

*25 SHRI R. R SHARMA:
SHRI MADHAVRAO SCINDIA:

Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS be pleased to state

(a) the percentage of oil imported by India to the oil consumed by her and the percentage by which its price has been increased during the last two years;

(b) the percentage by which prices of diesel and petrol have been increased in India during the same period; and

(c) the per litre sale price today of diesel, petrol and kerosene respectively and the extent of the element of duties and taxes included in it?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS (SHRI K. D. MALAVIYA): (a) The percentage of oil imported by India to the oil consumed during 1972 and 1973 is given below:—

Year	Percentage of oil imported to the oil consumed
1972	62·6%
1973	65·5%

The percentage of average price increase of the crudes being imported on 1st January 1972 and 1st January 1974 is about 407 5 per cent.

(b) During the last two years, the price of High Speed Diesel Oil increased by 26 31 per cent and that of petrol by 136 22 per cent

(c) The per retail selling pirces of High Speed Diesel Oil, petrol and kerosene and also the percantage of taxes and duty in Delhi are as under:—

	Selling price per litre	Percentage of duties and taxes include in the selling prices
1 HSD	1 11	44 1%
2 Petrol	3 27	68 8%
3 Kerosene	1 08	40 7%

SHRI P G MAVALANKAR. All these facts and figures should have been given in a statement instead of in an oral answer.

श्री राम रतन शर्मा : अध्यक्ष जी, आशावादी मन्त्री महोदय ने अभी बतलाया कि 62 से 65 प्रतिशत तक क्रूड-आयल हम इम्पोर्ट करते है । मै आप के माध्यम से जानना चाहता हू कि पिछले दो वर्षों मे तेल के उत्पादन मे हम लोगो ने कितनी प्रगति की है ताकि हमे दूसरे देशो पर कम से कम आश्रित रहना पड़े ?

श्री के० डी० मालवीय : कच्चा तेल उत्पादित करने का प्रयत्न पिछले दो-तीन वर्षों मे अच्छा हुआ है और इस मे कुछ मात्रा बढ़ी भी है ...

श्री हुकम चन्द कछवाय : कितनी ?

श्री के० डी० मालवीय मेरे ख्याल से करीब करीब 75 लाख टन ज्यादा प्रोडयूस कर हैं और अगले आनेवाले 6 महीनो के अन्दर हमारा ख्याल है—करीब 7–8 लाख टन और ज्यादा उत्पादन कर लेंगे । जब बम्बई हाई का तेल मिलने लगेगा तो हमारा उत्पादन और ज्यादा बढ़ जायगा । हमे आशा है। आनेवाले दो सालों के अन्दर हम काफी मात्रा म कच्चा तेल अपने देश मे उत्पादन कर लेंगे । इस मे काफी प्रगति हुई है और देश को इस से सनोष होना चाहिये । जितना तेल का उत्पादन बढ़ता जायगा, उसती ही इम्पोर्ट करने की मात्रा कम होती जायगी ।

श्री रान रतन शर्मा : मन्त्री महादय को मालूम है कि इस समय बाजार मे कैरोसीन, पैट्रोल और डीजल काफी महगा है और मन्त्री महोदय ने इस को स्वीकार भी किया है । मै जानना चाहता हू—क्या वे अपनी ड्यूटी और सेल्स टैक्स कुछ कम करने का प्रयत्न करेंगे ताकि कन्ज्यूमर्स को अधिक से अधिक राहत मिल सके, कम से कम करोसीन आयल मे तो करना ही चाहिये ?

श्री के० डी० मालवीय : पैट्रोलियम प्रोडक्टस के दाम दुनिया भर मे बेशुमार ज्यादा बढ़े हुए है, इस लिये कि जो क्रूड आयल उत्पादन करने वाले देश है उन्होंने उसके दामों को चार-पाच गुना, ज्यादा मंहगा कर दिया है । इसी वजह से हमारे यहा भी दाम मंहगा है और इस से सरकार को आमदनी होती है ताकि हम उस आमदनी से जनता की ज्यादा अच्छी सेवा कर सके ।

SHRI NOORUL HUDA: The hon Minister has just now stated that the price of kerosene oil in retail is Rs. 1.08 per litre. I would like to ask him as to the extent of shortfall in production in our country as far as kerosene is concerned, and secondly, whether he is aware of the fact that kerosene is selling in the countryside at the rate of Rs. 2.50 per litre or more and what is the reason for such

blackmarketing in kerosene. These are the two questions that I would like to ask.

SHRI K. D. MALAVIYA: We are importing some kerosene. I have no exact figures just now before me. Perhaps it is more than a million tonnes or something like that.

SHRI NOORUL HUDA: A million tonnes?

SHRI K D. MALAVIYA: We are importing kerosene to the extent of a million tonnes or perhaps more. I have not got the figures just now. Perhaps it is much more than one million tonnes. I will pass on the information today or tomorrow. Just now, I am not able to get the figure here. But the fact is that, as I have just now mentioned, it is one of the middle distillates and we are concentrating more on HSD in order to help the irrigation projects and other projects. Kerosene, unfortunately, because of its shortage, is selling at a much higher price than what has been scheduled, and it is a misfortune that the retail sellers are taking full advantage of the scarcity condition. I want to make a statement in the House today that it will be my sincere and more expeditious effort to see that this shortage of kerosene and diesel is removed. To that end, we are convening a meeting on the 16th of this month to consult our Chief Ministers as to how the distribution system of kerosene has to be improved in the villages and the rural areas, so that this blackmarketing is stopped, I hope that the price of kerosene oil, as a result of these consultations, will decrease and also there will be a peripheral increase in the supply of kerosene to the States. That will improve the situation.

श्री सरजू पांडे : माननीय मंत्री जी ने कहा है कि पूरे देश में पैट्रोल, मिट्टी का तेल और डीजल का संकट है। वह जगह तो डीजल न मिलने से ट्रैक्टर्स बन्द हो गये हैं, सिंचाई के कूएं बन्द हैं जो डीजल की मीटर से चलाये जाते हैं। हमारे उत्तर प्रदेश में तो मिट्टी का तेल मिलता ही नहीं है, बहुत जगह तो पट्रोल पम्पस महीनों खाली पड़े रहते है। इन सब बातों को देखते हुए सरकार इस साल कितना तेल मंगाने जा रही है और प्रान्तों को बटवारे के लिये तेल का क्या तरीका है जिस से कि प्रांतो को तेल ठीक से मिल सके। मैं जानना चाहता हूं कि तेल के बटवारे के सम्बन्ध मे आप की क्या नीति है ?

श्री के० डी० मालवीय : मैंने अभी सदन के सामने यह कहा है कि बटवारे का प्रबन्ध मुख्यतः स्टेट गवर्नमेंट करती है या हमारे पम्पस करते है। उन्ही के जरिये दाम तय होता है। 16 ता० की बैठक मे चीफ मिनिस्टरों के साथ बैठ कर मैं उन से मशविरा करूगा कि किस तरह से हम करोसीन और डीजल के वितरण के अन्दर तरक्की कर सकते है। मुझे आशा है कि कुछ ज्यादा देकर और कुछ वितरण की जो हमारी योजना है उस मे तरक्की कर के हम उस मे उन्नति कर सकेंगे। मुझे कोई शक नहीं है कि इस तरह की व्यवस्था से लोगो की राहत मिलेगी। अगर माननीय सदस्य भी इस सम्बन्ध मे कोई सुझाव देना चाहे तो मुझे भेज दे, मै उस का स्वागत करूंगा, मैं चाहूंगा कि उन पर भी हम ता० 16 की बैठक में विचार कर लें।

श्री सरजू पांडे : मैं जानना चाहता हूं कि आप के दिमाग में क्या है ? क्या योजना आपने बना रखी है। तेल न पहुंचने से आज सारा काश्तकार ठप्प है, इस के लिये सरकार क्या कार्यवाही कर रही है ?

श्री मूल चन्द डागा : मै मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि 16 नवम्बर के पहले सरकार की तरफ से कोई गाइड लाइन राज्यो को नही थी इसके कारण कीरोसिन और डीजल का बटवारा ठीक ढग से नही हो रहा है अब कौन सी गाइड लाइन्स तैयार कर ली हैं जिसके कारण इसका वितरण ठीक से हो सकेगा ?

श्री के० डी० मालवीय गाइड लाइन तो पहले से थी । ऐसा कोई नही है कि कोई गाइड लाइन नही है, कोई कीरोसिन, पैट्रोल नही था, कोई नियम नही था । ऐसी बात नही है । हमारा बराबर प्रयत्न रहता है कि जो कठिनाईया शौर्ट की बजह से हो गई है उन को हम दूर करे । उसके लिये हम बराबर प्रयत्न करते है । इसीलिये 16 तारीख को हमने बैठक बुलाई है ।

श्री राम सहाय पाडे जिस तेल के 68 प्रतिशत आयात के बारे मे मत्री महोदय ने बतलाया और जो प्रतिशत भाव बढे, अरब देशो मे जो हम मगाते है उसको देखते हुये और जो इडिजिनस प्रोडक्शन हमारे देश मे हो रहा है उस का देखते हुये जिस के लिये मत्री जी आशान्वित है, और वह इसमे माहिर भी है कि तेल निकलेगा, मै जानना चाहता हू कि ईरान के शहन्शाह जब आये थे और और इसके पहले वियना मे वह थे तो उन्होने कहा था कि डेवलपिग कन्ट्रीज मे वह भाव नही लेगे जो कि डेवलप्ड कट्रीज मे लेगे, यह अरब देशो के तेल उत्पादको की कानफरेस मे तय हुआ था । तो अरब देशो से मत्री का क्या लाभ हुआ जब कि हम से वही भाव लिया जा रहा है जो डेवलप्ड कट्रीज से लिया जा रहा है । तो क्या ईरान के शहन्शाह से भाव और आयात के सबध मे कोई बातचीत हुई थी ।

श्री के० डी० मालवीय : बात हुई है । जो हमारे मित्र देश हैं अरब कट्रीज के और खास तौर से ईरान मे । कभी तो वह बयान देते हैं कि दाम कम करेंगे की इच्छा प्रकट करते है, फिर मीटिंग मे कुछ और फैसला होता है । तो इस समय स्थिति साफ नही है कि दाम से कितनी कमी होगी । कोई बढाने की धमकी देता है, तो कोई घटाने की बात कहता है और अन्तर्राष्ट्रीय कम्पनिया कुछ और भी दबाव डाल रही है । इसलिये स्थिति साफ नही है । सरकार बराबर इस पर गौर कर रही है, कान्टैक्ट हमारा स्थापित है और हम कोशिश करेगे कि सस्ते से सस्ता तेल मिल सके ।

श्री हुकमचन्द कछवाय मै मत्री जी से जानना चाहता हू कि विदेशो से हम कितनी मात्रा मे तेल मगाते है ? भारत के अन्दर डीजल और मिट्टी का तेल जीवन का अग बन गया है और यह लोगो को पर्याप्त मात्रा मे नही मिलता है । वह ठीक दाम पर मिल इस की क्या व्यवस्था आप करने जा रहे है ? और हर राज्य का आप किस ढग से डीजल और मिट्टी का तेल भेजते है यह भी मै जानना चाहूगा । क्या उन की खपत के अनुसार भेजते है या आप अपने हिसाब मे भेजते है ?

श्री के० डी० मालवीय : अध्यक्ष जी, मैने और प्रश्नो के उत्तर मे जवाब दे दिया है कि प्रयत्न कर रहे है कि दाम कम करे, बाहर से भी तेल मगाये, सऊदी अरेबिया म मगा रहे है सरकार के जरिये और कम्पनियो के जरिये जैसे बर्मा शैल और कालटेक्स आदि से भी लेते है । जहा से भी हो सकता है सस्ते मे सस्ते दाम पर लेने की कोशिश कर रहे है।

वर्ष 1975 में मध्यवधि निर्वाचन कराने के लिये लोक सभा को भंग करने का प्रस्ताव

*27 : **श्री रामावतार शास्त्री** : क्या विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या समाचार पत्रों में प्रकाशित इस समाचार में कोई सत्यता है कि सरकार का विचार वर्ष 1975 से वर्तमान लोक सभा को भग करने और मध्यावधि निर्वाचन कराने का है ; और

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ?